बच्चे यीशु पर विश्वास करते जैसा अब्राहम ने किया

प्रार्थना: "स्वर्ग के प्रिय पिता, अपने पवित्र आत्मा की सामर्थ से बच्चों में विश्वास पैदा करने के लिये इस अध्ययन को प्रयोग कर। उनकी सहायता कर कि वे उसी भरोसे के साथ और हृदय छूने वालें भक्ति के साथ प्रतिदिन प्रार्थना कर सकें। यीशु के नाम में आमीन"

ऐसी गतिविधियों को चुने जो बच्चों की आयु और आवश्यकता के लिये सही बैठती हैं।

अब्राहम के विश्वासमय जीवन की मुख्य घटनाओं को बच्चों के लिये सारांश में बतायें

1) **अब्राहम ने विश्वास के द्वारा यात्रा की।** अब्राहम ने परमेश्वर की आज्ञा पालन किया। उसने अपना देश जो धनी था और मूर्तिपूजा करता था छोड़ दिया। क्योंकि उसने परमेश्वर पर विश्वास किया, वह अपने परिवार के साथ दूर अनजान देश चला गया। (उत्पति 12 अध्याय)

2) **अब्राहम ने विश्वास से उदारता से दिया।** अब्राहम के चरवाहे और उसके भतीजे लूत के चरवाहे आपस में अपनी गायों और भेड़ों को चराने के लिये अच्छी चराई के लिये झगड़ा करते थे। इसलिये कि अब्राहम परमेश्वर पर विश्वास करता था, उसने लूत को उत्तम जगह लेने दिया और लड़ाई को नहीं होने दिया। लूत ने स्वार्थ में उत्तम चराई चुन ली परन्तु परमेश्वर ने अब्राहम को आशीष दी। (उत्पति अध्याय 13)

3) **अब्राहम ने विश्वास से साहस के साथ शुद्ध किया।** लूत ने रहने के लिये धनी मूर्त्तीपूजा शहर सदोम को चुना। एक दिन पांच बुरे राजाओ ने सदोम को बन्दी बना लिया, लोगों को दास बनाकर ले गये और उनकी कीमती वस्तुओं को ले गये। फिर भी अब्राहम और उसके चरवाहों ने उन पाचों राजाओं को हरा दिया, लूत के परिवार के लोगों को वापस ले आये। इसलिये सदोम के राजा ने अब्राहम से चीज़ें स्वंय रखा लेने को कहा और बन्दी बनाये हुए लोगों को वापस करने का आग्रह किया। अब्राहम ने चीजें और लोग दोनो राजा को लौटा दिया। (उत्पति अध्याय 14)

- बच्चों से पूछें कि तारों को गिनने में कितना समय लगेगा। समझायें कि ये कितनी महान बात थी कि अब्राहम ने परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर विश्वास किया कि उसके इतनी अधिक सन्तान होंगी।
- बच्चों को बतायें कि उन्हें प्रतिदिन अकेले या अपने परिवारों के साथ प्रार्थना करना चाहिये।

जो अब्राहम ने देखा

4) **अब्राहम ने परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर विश्वास किया।** परमेश्वर ने अब्राहम के साथ अनन्त का समझौता किया, उसके "बीज" से सभी देशों को आशीषित करने की प्रतिज्ञा अर्थात् उसकी सन्तान। फिर भी उसकी पत्नी सारा बच्चा पैदा करने के लिये अधिक बूढ़ी थी। एक दिन परमेश्वर ने अब्राहम को बताया कि ऊपर आकाश के तारों को देख सकता है उतनी ही वो सन्तान पैदा करेगा। अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, जिसने अब्राहम के विश्वास को धार्मिकता गिना। परमेश्वर ने अपना वायदा पूरा कर सारा को इसहाक को उत्पन्न करने योग्य किया। आज तक परमेश्वर संसार के सभी देशों को अब्राहम की सन्तान द्वारा आशीष दे रहा है। यीशु (उत्पति अध्याय 15,17 एंव 21))

पृथ्वी के सभी देश

5) **अब्राहम ने विश्वास से प्रार्थना की।** एक दिन प्रभु के स्वर्गदूत ने अब्राहम को बताया कि वह सदोम के लोगों को नाश करने वाला है, क्योंकि वे बहुत दुष्ट थे। अब्राहम ने लूत और उसके परिवार को बचाने की विनती की जो सदोम में रहते थे। अब्राहम के विश्वास के कारण से परमेश्वर ने अपने स्वर्गदूतों को उन्हें बचाने के लिये भेजा। तब उसने आकाश से आग की वर्षा की और सदोम पूरी रीति से नष्ट हो गया। (उत्पति 18-19 अध्याय)

6) **विश्वास के द्वारा अब्राहम ने हृदय तोड़ देने वाली आज्ञा का पालन किया।** एक दिन परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परख करना चाहता था तो, उसने उसे अपने एकलौते पुत्र इसहाक को बलिदान करने को कहा जिसके द्वारा परमेश्वर की सभी प्रतिज्ञाएं पूरी की जानी थी। अब्राहम बच्चे का बलिदान करने को तैयार था यह जानते हुए कि परमेश्वर फिर उसे जिला उठा सकता हैं अचानक परमेश्वर ने एक मेढ़ा उपलब्ध कराया कि अब्राहम बच्चे के स्थान पर उसका बलिदान कर सके (उत्पति अध्याय 22, इब्रानी 11:17-19)

7) **अब्राहम के भले कार्यों ने दिखाया कि उसका विश्वास महान था** परमेश्वर ने अब्राहम को धर्मी गिना और उसके विश्वास के कारण उसे आशीष दी उसके भले कामों के कारण नहीं। ये अब्राहम का विश्वास था जिसने उसे भले काम की अगुवाई की। (याकूब 2:21-24)

चार बड़े बच्चों से कहें कि वे विश्वास प्रगट करने के लिये चार चीज़ें ढूंढ़ें। यदि ये अधिक कठिन है, तो साधारण रूप से चार वस्तुओं की तस्वीर बनायें।

एक **साबुन की बट्टी**

एक **चाकू**

एक **छोटी बोतल (या एक गोली)**

एक **क्रूस (दो लकड़ियों को साथ बांध कर)**

दो लकड़ियों को साथ बांध कर क्रूस बनायें

- **पहला बच्चा:** साबुन दिखाकर पूछो, "क्या हम साबुन से अपने पाप धो सकते हैं?" (बच्चों को उत्तर देने दें)
- दूसरा बच्चा: चाकू दिखाकर पूछें, "क्या डाक्टर चाकू से हमारे पापों को काट सकता है?"
- तीसरा बच्चा: बोतल दिखाकर पूछें "क्या पाप ठीक करने के लिये हम दवा ले सकते हैं?"
- चौथा बच्चा: क्रूस दिखाकर पूछें "हमारे पापों को कौन उठा सकता है?"

समझायें: "केवल मसीह का लहू जो क्रूस पर बहाया गया, हमारे पापों को धोता है। हमें यीशु पर

विश्वास करना चाहिये। वह मरा और मृत्यु से पुनः जी उठा कि हमारे पापों को क्षमा करे और हमें अनन्त जीवन दे।"

अब्राहम की कहानी के भाग का **नाटक करें।** अराधना के अगुवें के साथ इसे प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें, साथ चारों उदाहरणों की ऊपर की चीजें भी।

- बड़े बच्चे **परमेश्वर** और **अब्राहम की आवाज़** बने।
- छोटे बच्चे **सारा** और **सेवक** की भूमिका करें।

परमेश्वर की आवाज़: "अब्राहम इसीलिये कि तू ने मेरी प्रतिज्ञा पर विश्वास किया है, मैं तेरी सन्तान को कई गुणा बढ़ाऊंगा जैसे आकाश में तारे"

अब्राहम: आकाश की ओर देखता है। तब कहता है "तारे बहुत हैं जिन्हें मैं गिन नहीं सकता। मैं विश्वास करता हूँ सर्वशक्तिमान परमेश्वर तू कुछ भी कर सकता है।"

परमेश्वर की आवाज़: "इसलिये कि तूने मुझ पर विश्वास किया मैं तुझे धर्मी गिनता हूँ, मैं तुझे आशीष दूंगा और तेरी सन्तान के द्वारा सब देशों को आशीषित करूंगा"।

अब्राहम: "मेरी कोई सन्तान नहीं है और मेरी पत्नि अधिक बूढ़ी है कि बच्चा जन सके"

परमेश्वर की आवाज़: "मुझ पर विश्वास कर तेरी पत्नि सारा एक पुत्र को जन्म देगी"।

अब्राहम: सारा के पास जाकर कहता है, "परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की कि तू बालक जनेगी"

सारा: हंसती है। तब सेवको से कहती है, "क्या तुमने सुना कि अब्राहम ने मुझ से क्या कहा? उसने मुझ से कहा कि मुझे बालक उत्पन्न होगा।

सेवक लोग: हंसते और ऐसा कहते हैं, "पर तू बच्चा जनने के लिये अधिक बूढ़ी है"।

"अब्राहम क्या सोचता है कि वह क्या है, कि ऐसी प्रतिज्ञा करे?"

"यह एक अजीब मज़ाक है!"

अब्राहम: उन सभी लोगो से जो सुन रहे कहता है, "परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा दी है"

उसने आश्चर्य कर्म किया। सारा ने एक बालक इसहाक को जन्म दिया इसहाक की सन्तान से सभी देश आशीषित होगे। ये यीशु है"

(उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने इस नाटक में सहायता की)

बच्चों को एक ज्वाला मुखी बनाने दीजिये। बड़े बच्चों से छोटो की मदद करने को कहें। वे अपनी तस्वीर बड़ो को आराधना के बीच दिखा सकते और समझा सकते हैं:

- ज्वालामुखी ने लोगो पर आग बरसा कर कत्ल किया है, जैसे बुरे लोग सदोम में आकाश की आग से मर गये।
- यह दिखाता है कि हम क्यों उन लोगों के लिये प्रार्थना करते जो यीशु को नहीं जानते हैं, जैसा अब्राहम ने लूत के परिवार के लिये प्रार्थना की कि वे आग से बच जायें।

कविता: चार बच्चों से भजन 34,पद 4,7,8 और 9 बोलने या याद करने को कहें।

बड़े बच्चों को अब्राहम और उसकी प्रार्थना के विषय एक छोटी कविता या गीत लिखने दें।

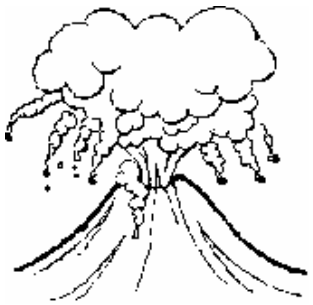

कंठस्त करें: इब्रानी 11:1 प्रार्थना, "प्रभु आपकी हमारे लिये प्रतिज्ञाओं के लिये धन्यवाद जो कुछ आपने कहा उसे करने के लिये हम विश्वास करते हैं। हम अब्राहम के विश्वास की तरह विश्वास करते हैं। जैसा उसने किया हमें भी दूसरों के लिये प्रार्थना करने में सहायता कर"

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net